Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MS-CT-104

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2022

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : प्रथम
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : चतुर्थ
काव्य एवं नाटक

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. दूतवाक्यम् की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।
2. अम्बिकादत्त व्यास का जीवन-परिचय लिखिए।
3. कर्णभार के प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण कीजिए।
4. शिवराजविजय के प्रथम निःश्वास का सारांश लिखिए।
5. बुद्धचरितम् के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. दूतवाक्यम् में वर्णित श्रीकृष्ण के अस्त्र-शस्त्रों का नाम सहित वर्णन कीजिए।

7. अत्युग्रदीप्तिविशदः समरेऽग्रगण्यः शौर्यं च सम्प्रति सशोकमुपैति धीमान्।
   प्राप्ते निदाघसमये घनराशिरुद्धः सूर्यः स्वभावरुचिमानिव भाति कर्णः॥

8. ततः प्रसन्नश्च बभूव पुष्यस्तस्याश्च देव्या व्रतसंस्कृतायाः।
   पार्श्वात्सुतो लोकहिताय जज्ञे निर्वेदनं चैव निरामयञ्च॥

9. शिवराजविजय के अनुसार संक्षेप में योगिराज का वर्णन कीजिए।

10. प्रसाद्यमानः साम्नायं न स्वभावं विमुञ्चति।
    हन्त संक्षोभयाम्येनं वचोभिः परुषाक्षरैः॥

11. अम्बिकादत्त व्यास के अनुसार सूर्य का वर्णन कीजिए।

12. अधोलिखित गद्यांश की व्याख्या कीजिए -
    तस्मिन् पूज्यमाने "योगिराडुत्थित" इति "आयात" इति च आकर्ण्य कर्णपरम्परया बहवो जनाः परितः स्थिताः। सुघटितं शरीरम्, साद्रां जटाम्, विशालान्यङ्गानि, अङ्गारप्रतिमे नयने, मधुरां गम्भीरां च वाचं वर्णयन्तः चकिता इव सञ्जाताः।